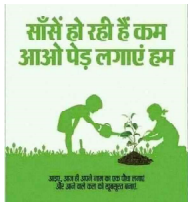

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 310 शुक्रवार 5 जून 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दो बाइक की भिड़ंत में एक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। गुरुवार शाम लालगंज थाना क्षेत्र के राम–जानकी मार्ग पर दो मोटरसाइकिलों की आमने–सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के नारायणपुर निवासी बदल के रूप में हुई है। उनके साथ उनका पुत्र दिनेश भी दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार था। यह दुर्घटना चकिया गांव स्थित गांधी आश्रम के पास हुई।

सीतापुर जिले के सकलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नकेला गांव निवासी अरबी और शमसुद्दीन एक अन्य मोटरसाइकिल पर बेडशीट बेचकर उरुवा बाजार से लौट रहे थे। शाम करीब चार बजे उनकी मोटरसाइकिल की सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों पर सवार चारों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।

सूचना मिलने पर लालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की सहायता से बनहरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरहा पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद बदल को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल अरबी और शमसुद्दीन की हालत चिंताजनक होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। दिनेश का भी उपचार जारी है।

पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

टावर पर चढ़कर हंगामा करने वाले युवक को पुलिस ने भेजा जेल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया थाना क्षेत्र के ग्राम खमरियासुजात में जिओ टावर पर चढ़कर हंगामा करने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने इस मामले में जिओ टावर कंपनी के खिलाफ भी सुरक्षा में लापरवाही बरतने का मुकदमा दर्ज किया है। यह घटना 3 जून की शाम को हुई, जब ग्राम खमरियासुजात निवासी जन्मेजय सिंह शराब के नशे में गांव के बाहर स्थित जिओ टावर पर चढ़ गया। उसने टावर से कूदने की धमकी दी और लोगों को उकसाने वाले शब्दों का प्रयोग किया।

सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस, फायर ब्रिगेड, ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। काफी प्रयासों के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतारा गया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि युवक का अपने बड़े भाई दिवाकर सिंह से जमीन और पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद और कुछ लोगों के उकसावे के कारण वह शराब के नशे में टावर पर चढ़ा और अपने भाई से पैसे की मांग करने लगा।युवक को नीचे उतारने के बाद हर्रैया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उसका चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह ने बताया कि जन्मेजय सिंह उर्फ जय सिंह और जिओ टावर कंपनी के खिलाफ हर्रैया थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। युवक को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

कॉकरोच जनता पार्टी ने नहीं लिया 6 जून के प्रदर्शन की इजाजत

नई दिल्ली (आभा)। कॉकरोच जनता पार्टी लगातार 6 जून को जंतर मंतर पर होने वाले प्रदर्शन पर जोर दे रही है। लेकिन अभी तक पार्टी ने प्रदर्शन के लिए दिल्ली पुलिस के इजाजत नहीं ली है। इस फैसले को लेकर पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि अभिजीत दिपके 6 जून को सुबह परमीशन लेंगे।

भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत के एक तंज से सोशल मीडिया पर पैदा हुई कॉकरोच जनता पार्टी 6 जून को राजधानी दिल्ली में प्रदर्शन करने जा रही है। पार्टी की तरफ से बताया गया है कि इस प्रदर्शन का उद्देश्य शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करना है। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह है कि 6 जून को होने वाले इस प्रदर्शन के लिए पार्टी ने अभी तक पुलिस की अनुमति नहीं ली है। आम तौर पर ऐसे किसी भी प्रदर्शन के लिए करीब एक हफ्ता पहले पुलिस की इजाजत लेनी पड़ती है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने 6 जून के प्रदर्शन का ऐलान काफी पहले कर दिया था, लेकिन इसके बाद भी परमीशन नहीं ली गई। सीजेपी की कहना है कि वह 6 जून को ही प्रदर्शन की परमीशन लेगी।

इस मुद्दे पर जब पार्टी के नव नियुक्त प्रवक्ता विजेता दहिया ने प्रदर्शन की अनुमति न लेने को भी रणनीति का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'लोगों की भावनाएं इस विरोध प्रदर्शन से जुड़ी हुई हैं। फिलहाल सभी लोग अभिजीत दिपके से जुड़े हुए हैं। इसलिए हमने फैसला लिया है प्रदर्शन के लिए किसी भी तरह की परमीशन अभिजीत ही 6 जून को आकर मांगेंगे। इसके साथ ही विजेता ने भरोसा जताया कि प्रशासन उन्हें शांति पूर्ण प्रदर्शन की इजाजत दे देगा।

जस्टिस सूर्यकांत के तंज से सोशल मीडिया पर शुरू हुई इस व्यंग्य पार्टी के अभी तक 22 मिलियन फॉलोअर्स हो चुके हैं। ऐसे में इसके संस्थापक अभिजीत दिपके ने 6 जून को दिल्ली में प्रदर्शन करने का ऐलान किया था। दिपके ने अपने सोशल मीडिया साइट पर बताया था कि वह शनिवार को अमेरिका से वापस आएंगे और उसके तुरंत बाद ही परमीशन लेने के लिए जाएंगे। उन्होंने अपने समर्थकों को एयरपोर्ट पर मिलने के लिए कहा है।पार्टी के बयान के मुताबिक, कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके शनिवार सुबह करीब 8 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। यहां पर सोनम वांगचुक समेत कई समर्थक उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद समर्थकों के साथ दिपके जंतर–मंतर पर होने वाले प्रदर्शन की इजाजत लेने के लिए संसद स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जाएंगे।

होटल में अग्निकांडः मालिक पुलिस हिरासत में : सरकार ने किया मुआवजे की घोषणा

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली पुलिस ने होटल के मालिक को बुधवार रात गिरफ्तार कर लिया था। एफआईआर दर्ज होने के बाद से आरोपी मालिक फरार था। कोर्ट ने होटल के मालिक को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ करेगी।

मालवीय नगर के भीषण अग्निकांड के मामले में साकेत जिला अदालत ने होटल मालिक और आरोपी लवकेश बजाज को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं।

न्यायिक मजिस्ट्रेट भानु प्रताप सिंह की अदालत ने दिल्ली पुलिस की उस अर्जी को स्वीकार कर लिया, जिसमें आरोपी से पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत की मांग की गई थी। अदालत ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी से हिरासत में पूछताछ जरूरी है।

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। इनमें धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), धारा 326(जी) (आग से नुकसान पहुंचाने), धारा 324 (5) (संपत्ति को नुकसान), धारा 125ए ब 125बी और धारा 287 (आग से संबंधित लापरवाही) शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि हिरासत के दौरान आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि हादसे के पीछे लापरवाही या अन्य कोई वजह जिम्मेदार थी या नहीं।

कुल मृतकों में 12 लोग विदेशी तो 9 भारतीय थे। सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो मौजूद हैं जिनमें लोगों को अपनी जान बचाने के लिए इमारत से कूदते हुए देखा जा सकता है। कई लोग इस दौरान मदद के लिए चिल्ला रहे थे जिनमें से कई लोगों की मदद स्थानीय लोगों ने भी की। होटल के ठीक सामने मौजूद एक गद्दे की दुकान के मालिक ने तो अपने 20–25 गद्दे होटल के ठीक नीचे बिछा दिए थे। बताया जा रहा है कि गद्दों पर कूदकर करीब 8 लोगों की जान बच गई।

भीषण अग्निकांड के बाद साकेत स्थित मैक्स अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने घायलों और उनके परिजनों से मुलाकात की और उनके ईलाज के बारे में जाना। कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और उनके ईलाज में किसी भी तरह की कोई नहीं आने दी जाएगी। इसके साथ दिल्ली सरकार ने हादसे में जान गंवाने वाले के परिजनों को 10 लाख रुपये की मुआवजा देने की घोषणा की है। गंभीर रूप से घायल लोगों को पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी।

राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने किया उम्मीदवारों की घोषणा

नई दिल्ली (आभा) । भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए विभिन्न उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया। पार्टी ने अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान में रिक्त हुई राज्यसभा की सीटों के लिए कैंडिडेट्स उतारे हैं। इसमें राजस्थान से सतीश पूनिया, मध्य प्रदेश से तरुण चुघ समेत तमाम दिग्गज नेताओं को उम्मीदवार बनाया गया है।

भाजपा ने प्रेस रिलीज जारी करते हुए कहा कि केंद्रीय चुनाव समिति ने विभिन्न प्रदेशों में होने वाले राज्यसभा चुनाव एवं ओडिशा उप चुनाव के लिए नामों पर स्वीकृति दी है। अरुणाचल प्रदेश से ताई तगाक को उम्मीदवार बनाया है, जबकि गुजरात से राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा और मानसिंह परमार पार्टी के कैंडिडेट होंगे। इसके अलावा, मध्य प्रदेश से तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल मैदान में होंगे। वहीं, मणिपुर से ए. शारदा देवी, राजस्थान से अलका गुर्जर और सतीश पूनिया को उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा, बीजेपी ने 2026 के उपचुनाव के लिए ओडिशा से देबाशीष सामंतराय को टिकट दिया है।

खाद्य एवं रसद मंत्री डॉ. मनोज से शिबलू पाण्डेय ने किया शिष्टाचार भेंट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय 'शिबलू' ने प्रदेश के खाद्य एवं रसद कैबिनेट मंत्री डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय से उनके लखनऊ स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट किया। उन्हें भगवान परशुराम का चित्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर मंत्री और सीतापुर जनपद का प्रभारी बनाये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त किया।यहां जारी एक विज्ञप्ति के माध्यम से भाजपा नेता अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय 'शिबलू' ने कहा कि डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय जमीनी नेता है और निश्चित रूप से खाद्य एवं रसद के कार्यों में और तेजी आयेगी, प्रदेश की जनता तक कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी लाभ पहुंचेगा।

न्याय न मिला तो गांव से ही उजड़ जाना पड़ेगा एसपी से जबरिया जमीन से कब्जा हटवाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के हेंगापुर निवासिनी दलित मालती देवी पत्नी शोभानाथ ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अपने छप्परवाले घर को गांव के ही दबंगों से बचाने की गुहार लगाया है। मालती देवी के अनुसार न्याय न मिल तो उसे गांव से ही उजड़ जाना पड़ेगा। मालती लगातार प्रार्थना पत्र देकर थक चुकी है। उसके पति परदेश में हैं और अब उसे डर सता रहा है कि दबंग उसे गांव से बाहर जाने को मजबूर न कर दें।

एसपी को दिये पत्र में मालती देवी ने कहा है कि वह गाटा संख्या 729 में छप्परपोश मकान और सहन बनाकर रह रही है। गांव के ही अभिलाष यादव, बाबूलाल, शिवलाल और इनके घर की औरतें उसके मकान और सहन पर जबरिया कब्जा करते चले आ रहे हैं। विरोध करने पर मारते पीटने के साथ ही जान से मार देने की धमकी देते हैं। यदि उसके मकान और सहन की जमीन पर कब्जा जारी रहा तो मजबूरन उसे गांव से ही उजड़ जाना पड़ेगा। उसने दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुये कहा है कि उसके जमीन से जबरिया कब्जा हटवाया जाय।

बंधे के किनारे खेत में नग्न अवस्था में मिला कोटेदार का शव, हत्या की आशंका

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी, (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के जयरामपुर गांव के निकट गुरुवार सुबह बंधे के किनारे खेत में एक युवक का नग्न शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव के पास ही कुछ दूरी पर एक पल्सर मोटरसाइकिल भी लावारिस हालत में खड़ी मिली। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई।

–मृतक की फाइल फोटो–

ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर थाना प्रभारी लालगंज विनय कुमार पाठक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल पर खड़ी मोटरसाइकिल के नंबर के आधार पर जांच–पड़ताल की, जिससे पता चला कि वाहन कोतवाली थाना क्षेत्र के देवरिया गांव का है।

पुलिस की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों एवं ग्रामीणों ने शव की पहचान मदन जयसवाल (38 वर्ष) पुत्र राम औतार जयसवाल निवासी देवरिया के रूप में की। मृतक गांव का कोटेदार, वीडीसी सदस्य तथा प्रॉपर्टी डीलर का कार्य करता था।

परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि मृतक का कोटे को लेकर कुछ लोगों से विवाद भी चल रहा था। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

मृतक अपने पीछे पत्नी धनलक्ष्मी तथा चार पुत्रोंकृसर्वेश (14 वर्ष), समर (10 वर्ष), सचिन (8 वर्ष) और झिन्नु (5 वर्ष) को छोड़ गया है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

थाना प्रभारी विनय कुमार पाठक ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

फिलहाल युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर होंगे विविध आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद बस्ती में 05 जून से 21 जून 2026 तक विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों, विकास प्रदर्शनी, जनसंवाद, स्वास्थ्य शिविर, किसान सम्मेलन एवं योग दिवस सहित विविध गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिलाधिकारी बस्ती द्वारा कार्यालय आदेश जारी कर कार्यक्रमों के सफल एवं प्रभावी संचालन हेतु अधिकारियों की जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, योजनाओं एवं उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने तथा आमजन के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रमों के समन्वय एवं संचालन हेतु मुख्य विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

रेलवे स्टेशन पर अवैध धन उगाही का विरोध किया तो पत्रकार को मिली जान से मार देने की धमकी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रेलवे स्टेशन पर अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा टेम्पो चालक से मनमानी धन उगाही से सम्बंधित समाचार का संकलन करने गये पत्रकार को धमकी देने के मामले में इण्डियन कौंसिल ऑफ प्रेस जिलाध्यक्ष दिनेश प्रसाद मिश्र और उपाध्यक्ष सौरभ वी.पी. वर्मा ने पुलिस अधीक्षक को सम्बोधित ज्ञापन सौंपे सीटी को सौंपा। मांग किया कि प्रकरण की जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी और प्रभावी कार्यवाही किया जाय।

सौंपे ज्ञापन में इण्डियन कौंसिल ऑफ प्रेस जिलाध्यक्ष दिनेश प्रसाद मिश्र ने कहा है कि वे कबीर बस्ती सप्ताहिक समाचार पत्र का सम्पादक है। 3 जून को दोपहर उनके मोबाइल पर एक सूरज नाम के लड़के ने फोन किया कि रेलवे स्टेशन बस्ती के कैम्पस में अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा जबरदस्ती 200 रू0 ले लिया गया है, मना करने पर वसूली करने वाला व्यक्ति मार पीट पर अमादा है। इस सूचना पर वे रेलवे स्टेशन बस्ती कैम्पस में पहुँचे, लड़के सूरज से मुलाकात हुई, उसने एक व्यक्ति की तरफ इशारा किया कि यही आदमी पैसा छीना है। उन्होने वसूली करने वाले व्यक्ति से पूछा की आप ने किस बात का पैसा लिया है, और लिया है तो आपने कोई रशीद दिया है की नही? तो उस व्यक्ति ने कहा यहां रशीद नही दिया जाता हर आने जाने वाले वाहन को 200 से लेकर 500 तक रूपये देना ही होता हैं इसमें कोई कुछ नही कर सकता। उन्होने पूछा आप का ठेकेदार कौन है। तो उस नाम/पता/अज्ञात व्यक्ति ने बताया कि विजय यादव जी0आर0पी0 के सिपाही है उन्ही के निर्देश पर ये वसूली की जाती है। यह सुनकर वे वाईक से जी0आर0पी0 थाने के तरफ जा रहा थे कि रास्ते मे मौजूद गुण्डा टाइप व्यक्ति ने रोका भद्दी–भद्दी गालिया देते हुए वहा मौजूद अपने गुर्गो को ललकारने लगा की यह प्रेस वाला है, मार कर के इसका हाथ पैर तोड़ दो इतना ही नही उस व्यक्ति ने बाइक के अगले पहिये में डंडा डालकर बाईक को रोक लिया और भद्दी–भद्दी गालिया देते हुए बाईक की चाभी और बाईक के डिग्गी में रखा रिपोर्टिंग डायरी निकाल लिया। जब पत्रकार श्री मिश्र को लगा कि अब प्राण घातक हमला हो जायेगा और लोग उन्हें मार डालेगे इसको देखते हुए प्रार्थी बाईक छोडकर जी0आर0पी0 थाने के तरफ भाग निकला और थाने में मौजूद दारोगा दुर्गेश को घटना के बारे मे बताया लेकिन वहा से कोई प्रभावी कार्यवाही नही की गयी और उन हमलावरो का सहयोग करते हुए कहा गया की घटना स्थल जी0आर0पी0 थाने के अन्तर्गत नही आता है। उन्होने घटना के सम्बन्ध में एस0पी0 जी0आर0पी0 को भी मोबाईल पर घटना की सूचना दिया था। घटना के बाद ही थाना–पुरानी बस्ती को भी लिखित शिकायत दिया था लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही अभी तक नही किया गया।

ज्ञापन में कहा गया है कि रेलवे स्टेशन बस्ती के परिसर में अराजक तत्त्वो का जमावड़ा रहता है और यही लोग सम्भ्रान्त यात्रियो एवं टैक्सी व टैम्पो चालको को प्रताड़ित और मार पीट कर 200 से लेकर 500 तक की वसूली नियमित किया जाता है। घटना के तत्काल बाद यदि वे अपना जान बचाकर भागे न होते तो निश्चित ही उनकी हत्या हो जाती। घटना का विडियो अवैध वसूली करने वाले लोगो ने यह कहते हुए बनाया की यह प्रेस का आदमी है और 500 व 1000 रुपया वसूली करने आया है। यह कहते हुए आरोपी लोग उन्हें दबाव में लेने का प्रयास कर रहे थे। जबकि वायरल विडियो में पूरा घटना क्रम साफ है, और आरोपियो के चेहरे भी एकदम स्पष्ट है। जिनकी पहचान की जा सकती है। आये दिन इस प्रकार की घटनाये रेलवे स्टेशन बस्ती हो रही है। कार्यवाही न होने से उन असामाजिक तत्वों का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है। जिनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही होना नितान्त आवश्यक एवं जनहित में है। प्रकरण को गम्भीरता से लेते हुए घटना में शामिल उन अराजक तत्वों को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही किया जाय जिससे यात्रियो और वाहन चालको में डर व भय का महौल समाप्त हो। और रेलवे स्टेशन बस्ती कैम्पस को अराजक तत्वो से मुक्त कराया जाये।

ज्ञापन देने के दौरान इण्डियन कौंसिल ऑफ प्रेस के उपाध्यक्ष विजय प्रकाश मिश्र, चित्रसेन पाण्डेय, वृजवासी शुक्ल, रंजीत उपाध्याय, तबरेज खान आदि पत्रकार शामिल रहे।

–सी.ओ. सिटी को सौंपा ज्ञापन, दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग

–जीआरपी पुलिस ने नहीं किया कोई सुनवाई

सामुदायिक भवन निर्माण में 1.25 करोड़ रुपये का गबनः चार के विरूद्ध मुकदमा दर्ज, जांच शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सामुदायिक भवन निर्माण परियोजना में 1.25 करोड़ रुपये के गबन का आरोप लगा है। शहर कोतवाली पुलिस ने इस मामले में चार लोगों के खिलाफ जालसाजी और धमकी देने सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रतापगढ़ जनपद के दहिलामऊ सिविल लाइन निवासी जितेंद्र कुमार अग्रवाल ने इस संबंध में कोतवाली में तहरीर दी है। उनकी शिकायत के अनुसार, सामुदायिक भवन निर्माण के लिए स्वीकृत 1.25 करोड़ रुपये बैंक ऑफ इंडिया, बस्ती स्थित खाते से निकाल लिए गए।

आरोप है कि धनराशि निकालने के बाद निर्माण कार्य पूर्ण होने का प्रमाण पत्र भी जमा कर दिया गया, जबकि वास्तविक स्थिति को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। वादी ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपियों ने भारतीय कोऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड, लालबाग, लखनऊ की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से कूटरचित दस्तावेज तैयार कर धनराशि का गबन किया।

जितेंद्र कुमार अग्रवाल ने अपनी शिकायत में बताया है कि जब उन्होंने इस मामले का विरोध किया, तो आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। पुलिस ने गोंडा जिले के बेलसर निवासी पवन कुमार पाण्डेय, लखनऊ के इस्माइलगंज इंडस्ट्रियल एरिया निवासी आशीष कुमार पाठक, शिवेन्द्र प्रताप सिंह और मोहम्मद आमिर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

थानाध्यक्ष मोती चंद ने जानकारी दी कि मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि दस्तावेजों और बैंक लेन–देन की जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की गहनता से पड़ताल कर रही है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 5 जून 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

दिल्ली में आग से मौतों का जिम्मेदार कौन.?

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस साल आग लगने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है। इन हादसों से बार–बार महानगर के बुनियादी ढांचे, विद्युत प्रणालियों और सुरक्षा नियमों में खामियां सामने आती हैं। ताजा मामला दिल्ली के मालवीय नगर इलाके के एक होटल में लगी भीषण आग का है, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले विवेक विहार में लगी आग में नौ लोगों की जान चली गई थी। इस तरह की घटनाओं ने अवैध निर्माण, प्रशासनिक ढिलाई और कानूनों की अवहेलना की बढ़ती परिपाटी के खतरनाक गठजोड़ को उजागर किया। अग्नि सुरक्षा तंत्र और प्रशासनिक ढांचा कागजों तक सीमित हैं।

मालवीय नगर के जिस होटल में आग लगी, वहां सरकार ने छह कमरों की इजाजत दी थी और 25 कमरे चलाए जा रहे थे। नियमों का खुला उल्लंघन हो रहा था। सवाल यह है कि कानून एवं प्रवर्तन एजेंसियां क्या कर रही थीं? दिल्ली के शहरी विस्तार ने एक विरोधाभास पैदा कर दिया है। यहां प्रशासन विकेंद्रित है। कई एजेंसियांदिल्ली दमकल सेवा, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण, राज्य सरकार आदि के बीच कामकाज बंटा हुआ है। जब कोई हादसा होता है, तो एक विभाग दूसरे पर आरोप मढ़ कर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। प्रशासनिक गतिरोध के कारण जवाबदेही शून्य हो जाती है।

संकरी गलियां, अनधिकृत निर्माण, एक ही प्रवेश एवं निकास द्वार, और अग्नि अनापत्ति प्रमाणपत्र के बिना काम चलाना आम बात है। सख्त कानूनों के बावजूद, जमीनी स्तर पर भवन निर्माताओं और अवैध संचालकों में नियमों के पालन का कोई डर नहीं है। कई इमारतें और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं, जो अवैध होती हैं, उनमें अक्सर अग्नि सुरक्षा नियम का ध्यान नहीं रखा जाता। अग्नि सुरक्षा को दरकिनार किया जाना भी गंभीर चिंता का विषय है। इस तरह के हादसे प्रशासनिक और नागरिक लापरवाही का जीता–जागता प्रमाण है। सवाल उठता है कि अनियोजित विस्तार की अंधी दौड़ में जान–माल से समझौता कब तक होता रहेगा?

नगर निकायों से संबंधित नियम शहरी सुरक्षा की रीढ़ होते हैं। आपातकालीन निकास, विद्युत भार क्षमता, निर्धारित दूरी और अग्नि सुरक्षा मार्गों और भवन निर्माण से संबंधित मानदंड दशकों के अनुभव के आधार पर तैयार किए गए हैं। इनका उल्लंघन इमारतों को मौत के जाल में बदल देता है। सुविधा, प्रतिष्ठा या लाभ की लालसा में कानूनों को दरकिनार करने की प्रवृत्ति हादसों को निमंत्रण देती है। कायदे से नियमों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। इन्हें ताक पर रखकर इमारत बनाने वालों और रिश्वत लेकर उन्हें मंजूरी देने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना जरूरी है। नगर निकायों को नियमों के अनुपालन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुलभ बनाना चाहिए।

शहरी आवास के बदलते स्वरूप भी चिंताजनक हैं। शहर आधुनिक विलासिता तो चाहता है, लेकिन अक्सर सुरक्षित जीवन के मूलभूत सिद्धांतों की उपेक्षा करता है। एक आधुनिक शहर वह नहीं है, जिसमें ऊंची इमारतें, विलासिता, अनाप–शनाप कमाई हो, बल्कि वह है जहां मानव जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

दूषित होता पर्यावरण

प्रतिवर्ष पर्यावरण दिवस पर देश और उत्तर प्रदेश में बड़े–बड़े दावों के साथ पौधरोपण अभियान चलाया जाता है किन्तु विसंगति यह कि विभाग और सरकारें यह बताने को तैयार नहीं है कि पिछले वर्ष जो पौध लगे थे उसमें जीवित कितना है। पर्यावरण प्रदूषण का संकट गहराता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण खेती किसानी पर दुष्प्रभाव पड़ने लगा है। अच्छा हो कि भले ही पौध कम लगाइये किन्तु सबसे पहले उसकी सुरक्षा और जबावदेही सुनिश्चित किया जाना चाहिये।

हर साल 5 जून को पूरी दुनिया में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। यह दिन लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने और पृथ्वी को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करने का एक वैश्विक अभियान है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, जंगलों की कटाई और प्लास्टिक कचरे जैसी चुनौतियों के बीच इस दिवस का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। विश्व पर्यावरण दिवस की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र द्वारा पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर वैश्विक जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से की गई थी। आज यह दुनिया के सबसे बड़े पर्यावरणीय अभियानों में से एक बन चुका है, जिसमें 150 से अधिक देशों के लोग भाग लेते हैं। हर साल एक नई थीम और मेजबान देश के साथ यह दिवस मनाया जाता है, ताकि किसी विशेष पर्यावरणीय समस्या पर वैश्विक ध्यान केंद्रित किया जा सके। साल 2026 में भी विश्व पर्यावरण दिवस एक महत्वपूर्ण संदेश के साथ मनाया जा रहा है। इस बार का फोकस प्लास्टिक प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या पर है, जो समुद्रों, नदियों, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य तक को प्रभावित कर रही है।

पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण–ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़–पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं है, यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

एक पृथ्वी, एक भविष्य पर्यावरण संरक्षण का दायित्व

-डा. राजेश कुमार शर्मा-

मानव सभ्यता का विकास प्रकृति की गोद में हुआ है। जल, वायु, भूमि, वन और जैव विविधता न केवल हमारे अस्तित्व का आधार हैं, बल्कि समस्त जीवन–चक्र को संतुलित बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। वायु, जल, भूमि, पेड़–पौधे, पशु–पक्षी और प्राकृतिक संसाधन मिलकर पर्यावरण का निर्माण करते हैं। यदि पर्यावरण स्वच्छ और संतुलित रहेगा, तभी मानव जीवन सुरक्षित और स्वस्थ रह सकेगा। किंतु आधुनिक विकास की अंधी दौड़, अनियंत्रित औद्योगीकरण, बढ़ते प्रदूषण, परमाणु युद्ध के मुहाने पर खड़ा यह विश्व और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन ने पर्यावरण के सामने अभूतपूर्व संकट उत्पन्न कर दिया है। बढ़ते प्रदूषण, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं ने आज पूरे विश्व को चिंतित कर दिया है। ऐसे समय में विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि पृथ्वी केवल हमारी संपत्ति नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की भी धरोहर है।

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई, जल संकट और जैव विविधता के क्षरण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति तथा तीव्रता में वृद्धि हो रही है। इन समस्याओं का प्रभाव केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव जीवन के हर क्षेत्र पर पड़ रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प का अवसर है। यह दिन हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि हम अपनी पृथ्वी को किस दिशा में ले जा रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा भविष्य छोड़ेंगे। यदि हम आज पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीर नहीं हुए, तो भविष्य में इसके दुष्परिणामों से बच पाना कठिन होगा। एक और महत्वपूर्ण बात पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या अंतरराष्ट्रीय संगठनों की जिम्मेदारी नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक का नैतिक और सामाजिक दायित्व है। छोटे–छोटे प्रयास भी बड़े परिवर्तन ला सकते हैं। वृक्षारोपण, जल संरक्षण, प्लास्टिक का कम उपयोग, ऊर्जा की बचत, सार्वजनिक परिवहन का प्रयोग तथा कचरे का उचित प्रबंधन जैसे उपाय पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

भारत जैसे विकासशील देश में पर्यावरण संरक्षण का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। यहाँ तेजी से बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण और औद्योगिक विस्तार ने प्राकृतिक संसाधनों पर भारी दबाव डाला है। शहरों में वायु प्रदूषण चिंताजनक स्तर तक पहुँच चुका है, जबकि नदियाँ और जलाशय प्रदूषण के कारण अपनी स्वच्छता खोते जा रहे हैं। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

भारतीय सनातन धर्म का पर्यावरणीय स्वरूप –

विचार करने के लिए अगला प्रश्न यह देखना है कि वेदांत दर्शन हिंदू धार्मिक प्रथाओं में कैसे परिलक्षित होता है। भारत के वैदिक ऋषियों ने न केवल मनुष्य और मनुष्य, या मनुष्य और जीवन के अन्य रूपों, मनुष्य और पृथ्वी के बीच, बल्कि पृथ्वी और ब्रह्मांड के अन्य आदिम तत्वों के बीच भी शांति और सद्भाव के लिए प्रार्थना की। पर्यावरण में एक शांतिपूर्ण ऊर्जा क्षेत्र स्थापित करने के लिए यजुर्वेद में उद्धरित उस मंत्र से तो सभी परिचित होंगे जिसे सभी पवित्र हिंदू संस्कारों और समारोहों के आरंभ में या अंत में पढ़ा जाता है। ओम् द्यौः शान्तिरन्तरिक्षं शान्तिः, पृथ्वी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः। वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः शान्तिर्ब्रह्म शान्तिः, सर्व शान्तिः, शान्तिरेव शान्तिः, सा मा शान्तिरेधि।। ओम् शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।" इसका अर्थ है कि स्वर्ग, अंतरिक्ष, पृथ्वी, जल, औषधियाँ, वृक्ष, देवता, ब्रह्म (परम सत्ता) और समस्त ब्रह्मांड में शांति हो, और वह शांति मुझमें स्थापित हो। ओम् शांति, शांति, शांति। यह श्लोक संपूर्ण सृष्टि में शांति की कामना करता है, जो बाहरी जगत और आंतरिक चेतना दोनों से जुड़ी है। इस शांति मंत्र से यह स्पष्ट है कि भारतीय सनातनियों के लिए पृथ्वी शोषण की वस्तु नहीं है, बल्कि पूजा के लिए एक माँ है। संस्कृत में इसे धरती माता या भू देवी (धरती माता) कहा जाता है। किसी भी प्रयोजन के लिए उपयोग करने से पहले उसकी पूजा (भूमि पूजा) करने की परंपरा आज भी जारी है। हिंदू नदियों और समुद्रों को भी, प्रकृति के आदिम तत्वों के अवतार के रूप में मानते हैं जो उनके संपर्क में आने वाली हर चीज को शुद्ध और जीवंत करते हैं। भारत की सभी नदियों में, गंगा (गंगा माँ या माँ गंगा) को सबसे पवित्र माना जाता है। हिन्दुओं ने पर्वतों को भी देवी–देवताओं का वास मानकर उन्हें विस्मय और श्रद्धा की दृष्टि से देखा है।

हिंदुओं ने पौधों की पूजा कृतज्ञता के साथ की है क्योंकि वे प्रकृति के सौर ऊर्जा के प्रमुख प्रोसेसर हैं, जो अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है। ऋषियों ने जिन उपयोगी पौधों का उल्लेख किया है, उनकी एक लंबी सूची है।

ऐसे भी दृष्टान्त मिलते है जिससे यह पता चलता है कि 300 ईसा पूर्व के काल में भारत में पेड़ों को काटने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। मौर्य सम्राटों ने पार्कों या तीर्थ स्थानों में या साधुओं के वन आवासों के लिए छाया प्रदान करने के लिए फल और फूल देने वाले पेड़ों की छोटी शाखाओं या कोमल अंकुरों को भी फाड़ने के लिए गंभीर जुर्माना लगाया। रात में एक पत्ता, फल या फूल तोड़ना हिंदू धर्म में वर्जित है क्योंकि परंपरागत रूप से यह माना जाता है कि पौधे तब आराम की स्थिति में होते हैं।

निष्कर्ष –

स्पष्ट है कि भारतीय सनातन धर्म सभी प्राणियों और संस्थाओं को दिव्य और समान मानता है और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण तथा सकारात्मक भूमिका निभाता है। हिन्दू लोकाचारों में मानव सहित सभी प्राणियों और प्रकृति के बीच अटूट रिश्ता कायम किया गया है। हिन्दू धार्मिक मन्त्र और प्रार्थनाएँ भी प्रकृति के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करते हैं और उसके साथ सहयोग, शांति और सद्भाव में रहने की इच्छा रखते हैं। दुर्भाग्य की बात है कि आज समाज का एक प्रबुद्ध वर्ग यह मानकर चलता है कि हम उस संस्कृति में विश्वास नहीं रखते जो दकियानूसी या फिर देवी–देवताओं वाले धर्म को मानती है। ऐसे लोगों से मेरा सवाल है कि प्रत्येक मनुष्य, समुदाय, वर्ग अपना रास्ता चुनने तथा संस्कृति को मानने के लिये स्वतंत्र है। मनुष्य नास्तिक हो या आस्तिक, धार्मिक हो या अधार्मिक क्या फरक पड़ता है? लेकिन पर्यावरण हमारे चारों ओर है। हवा, भोजन, पेड़–पौधे, पानी, जीव–जन्तु का महत्व जितना आस्तिक के लिये है, उतना ही नास्तिक के लिये भी है। प्राकृतिक विपदायें आने से पहले यह नहीं पूछती हैं कि कौन आस्तिक है और कौन नास्तिक। जब प्रदूषण की आँधी आती है, वह सब अपने में समेटकर ले जाती है।

कहने का अभिप्राय है कि पर्यावरण का संरक्षण करना हमारा नैतिक दायित्व है क्योंकि संरक्षण करना अपने आपको जीवन देना है। उपभोक्तावाद और भौतिकवाद की दोहरी ताकतें के कारण प्रकृति और पर्यावरण का निरन्तर शोषण बढता गया है। बदले में प्रकृति ने अब ग्लोबल वार्मिग, समुद्र के स्तर में वृद्धि, बदलते मौसम, ओजोन परत के पतले होने और जीवन–सहायक प्रणालियों के लिए अन्य खतरों के रूप में विद्रोह कर दिया है। समय आ गया है कि हमने फिजूलखर्ची की जगह सादगी, अतिभोग की जगह संयम और चाहत की जगह जरूरत को चुनें। अगर हम चाहते हैं कि एक शांतिपूर्ण समाज और खुशहाल पारस्परिक संबंधों का निर्माण हो सके तो हमें निःस्वार्थता और समर्पित सेवा के मार्ग पर चलना ही होगा।

अतः समय की मांग है कि हम सभी मिलकर पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। स्वच्छ और हरित पर्यावरण ही स्वस्थ, समृद्ध और सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है। 'एक पृथ्वी, एक भविष्य' का संदेश हमें यही प्रेरणा देता है कि पृथ्वी की रक्षा करना केवल विकल्प नहीं, बल्कि मानवता के अस्तित्व के लिए अनिवार्य दायित्व है। यही हमारी आने वाली पीढ़ियों के प्रति सच्ची जिम्मेदारी और सबसे बड़ा योगदान होगा।

देश में डिजिटल बगावत की दस्तक

–अजय कुमार–

दिल्ली का कॉन्स्टिट्यूशन क्लब अमूमन गंभीर राजनीतिक बहसों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और रवायती नेताओं की सफेद पोशाकों का गवाह बनता रहा है। लेकिन बीते बुधवार को वहां जो कुछ हुआ, उसने भारतीय राजनीति के एक नए और अतरंगे अध्याय की आहट दे दी। तीन पढ़े–लिखे नौजवान मंच पर बैठते हैं और देश के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग बुलंद करते हैं। यह मांग किसी स्थापित विपक्षी दल की तरफ से नहीं, बल्कि एक ऐसे संगठन की ओर से आती है जिसका नाम 'कॉकरोच जनता पार्टी' है। जो कल तक सोशल मीडिया के टाइमलाइन पर महज एक व्यंग्य, डिजिटल मजाक और कड़वे मीम्स का जरिया था, वह अब देश की राजधानी की सड़कों पर उतरने की तैयारी कर रहा है। नीट–यूजी और सीबीएसई जैसी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने देश के युवाओं के भीतर जिस कदर हताशा और आक्रोश भरा है, यह आंदोलन उसी की एक उपज है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या सिर्फ डिजिटल स्पेस में वायरल होकर या तंज कसकर देश की जमीनी सियासत को बदला जा सकता है? क्या यह भारतीय लोकतंत्र में युवाओं की वास्तविक छटपटाहट है या फिर सोशल मीडिया की चमक–दमक के बीच उपजा एक और अल्पकालिक तमाशा?

इस आंदोलन की रीढ़ कहे जाने वाले तीन चेहरे सौरव दास, विजेता दहिया और आशुतोष रांका अपने आप में दिलचस्प पृष्ठभूमि रखते हैं। इनमें कोई स्थापित और मझा हुआ राजनेता नहीं है। एक सजग पत्रकार और सोशल एक्टिविस्ट हैं जो आरटीआई के जरिए सरकारी तंत्र की खामियों को उजागर करते रहे हैं, तो दूसरा ध्रुव राठी जैसे बड़े मंचों के लिए गहरे शोध और स्क्रिप्ट लेखन से जुड़ा रहा है। तीसरे चेहरे को देखें तो वे आईआईटी कानपुर और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसी वैश्विक संस्थाओं से पढ़कर लौटे पब्लिक पॉलिसी विशेषज्ञ हैं। ये वो युवा हैं जो अंग्रेजी बोलते हैं, इंटरनेट की बारीकियों को समझते हैं और जिनके पास अपनी बात को आधुनिक तरीके से रखने का सलीका है। आगामी 6 जून को जब इस पार्टी के संस्थापक अमेरिका से दिल्ली लौटेंगे और जंतर–मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति मांगी जाएगी, तब इस डिजिटल गुस्से की पहली असली परीक्षा जमीन पर होगी। पेपर लीक का मुद्दा निश्चित रूप से देश के करोड़ों छात्रों और उनके अभिभावकों के भविष्य से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील और गंभीर विषय है। इस मुद्दे पर युवाओं की नाराजगी शत–प्रतिशत जायज है, लेकिन इस नाराजगी को अभिव्यक्त करने के लिए ककॉकरोच जैसे प्रतीक और विशुद्ध व्यंग्य का सहारा लेना इस आंदोलन की गंभीरता पर भी सवाल खड़े कर देता है।

इतिहास गवाह है कि महज आक्रोश और सोशल मीडिया के एल्गोरिदम से कभी भी स्थायी तब्दीली नहीं आती। डिजिटल दुनिया में किसी पोस्ट का ट्रेंड कर जाना या लाखों लाइक्स मिल जाना क्रांति का पैमाना नहीं हो सकता। कॉकरोच पार्टी ने युवाओं के भीतर पनप रहे असली दर्द और बेरोजगारी की कड़वी सच्चाई को बेबाकी से सामने तो रखा है, लेकिन जब बात ठोस और व्यावहारिक एजेंडे की आती है, तो यह संगठन बगलें झांकता नजर आता है। किसी भी लोकतांत्रिक देश को सिर्फ चुटकुलों, मीम्स और परफॉर्मेंस के सहारे नहीं चलाया जा सकता। एक वक्त के बाद जनता और वक्त दोनों ही मुश्किल सवाल पूछते हैं। नौकरियां कैसे पैदा होंगी? देश की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को सुधारने की क्या योजना है? टैक्स ढांचा, पुलिस सुधार या विदेश नीति पर संगठन की क्या सोच है? इन बुनियादी और जटिल नीतिगत सवालों पर कॉकरोच पार्टी के पास फिलहाल कोई ठोस जवाब नहीं है। राजनीति में इस तरह की अस्पष्टता का एक फायदा जरूर होता है कि विचारधारा के स्तर पर मतभेद नहीं होते और हर तरह का असंतुष्ट तबका आपके साथ जुड़ा रहता है, लेकिन जैसे ही आप किसी एक गंभीर मुद्दे पर ठोस स्टैंड लेते हैं, आंतरिक अंतर्विरोध और मतभेद सतह पर आने लगते हैं।

इस पूरे नैरेटिव का एक खतरनाक पहलू यह भी है कि यह आंदोलन युवाओं को लगातार नकारात्मकता और व्यवस्था के प्रति घोर निराशा की ओर धकेल सकता है। सत्ता की आलोचना करना और उससे तीखे सवाल पूछना लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन स्वस्थ लोकतंत्र को ऐसे नागरिकों की भी जरूरत होती है जो इस विश्वास रखें कि मौजूदा तंत्र में सुधार मुमकिन है। जब अदालतें, मीडिया, चुनाव और विश्वविद्यालय जैसी हर संवैधानिक और सामाजिक संस्था सिर्फ उपहास और मजाक का विषय बनकर रह जाएगी, तो आम जनता उन्हें सुधारने की उम्मीद और कोशिश ही छोड़ देगी। यह किसी व्यवस्था के खिलाफ बगावत नहीं, बल्कि उसके सामने आत्मसमर्पण या हार मान लेने जैसी स्थिति है। इसके अलावा, आंदोलन का यह दावा भी पूरी तरह सच नहीं लगता कि यह संघर्ष कर रहे देश के हर आम युवा की आवाज है। जरा इसके अगुआ चेहरों और इसके प्रसार के दायरे को देखिए। यह मुख्य रूप से अंग्रेजी बोलने वाले, बड़े शहरों में रहने वाले और चौबीसों घंटे ऑनलाइन रहने वाले युवाओं का एक खास क्लब नजर आता है। भारत के सुदूर गांवों में रहने वाले युवा, खेतों में पसीना बहाने वाले किसान पुत्र, प्रवासी मजदूर और वे करोड़ों नौजवान जिनके पास स्मार्टफोन या हाई–स्पीड इंटरनेट तक नहीं है, वे इस पूरी तस्वीर से पूरी तरह गायब हैं। इंटरनेट पर लोकप्रियता बटोरना और देश की धूल भरी सड़कों पर उतरकर जनसमर्थन हासिल करना, दोनों दो बिल्कुल अलग छोर हैं।

दूसरी बड़ी व्यावहारिक समस्या यह है कि यह पूरा आंदोलन लगभग एक व्यक्ति के इर्द–गिर्द सिमटा हुआ सा दिखाई देता है। जब कोई आंदोलन या संगठन किसी एक चेहरे के करिश्मे पर टिक जाता है, तो उस व्यक्ति के पैर डगमगाते ही पूरा ढांचा ताश के पत्तों की तरह बिखर जाता है। भारतीय राजनीति में आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल का उदाहरण हमारे सामने है, जो एक बड़े जनआंदोलन से उपजे थे, लेकिन बाद में सत्ता के रवायती ढर्रे में ही समा गए। किसी भी वास्तविक राजनीतिक संगठन को चलाने के लिए एक मजबूत संगठनात्मक ढांचा, प्रशिक्षित कैडर और एक स्पष्ट विचारधारा की आवश्यकता होती है। सोशल मीडिया का मौजूदा मॉडल ही इस तरह तैयार किया गया है जो केवल नाराजगी, उत्तेजना और सनसनी को बढ़ावा देता है। अगर किसी आंदोलन के पास साफ सिद्धांत और अनुशासन की सीमाएं न हों, तो ऐसे मंच बहुत जल्दी अराजक तत्वों और अफवाह फैलाने वालों के आसान निशाने बन जाते हैं।

एक असहज करने वाली सच्चाई यह भी है कि मौजूदा सत्ता प्रतिष्ठानों को अक्सर इस तरह का मीम–आधारित विपक्ष रास आता है। वायरल पोस्ट और मजेदार तंज वाली यह डिजिटल बगावत उस वास्तविक युवा ऊर्जा को बिखेर देती है, जो अन्यथा एक गंभीर चुनावी या राजनीतिक चुनौती में बदल सकती थी। किसी भी मजबूत सरकार के लिए सोशल मीडिया पर मजाक उड़ाया जाना उतना बड़ा खतरा नहीं होता, जितना बड़ा डर एक संगठित, अनुशासित और जमीनी स्तर पर काम करने वाले विपक्ष से होता है।

प्रकृति का बदलता मिजाज

–ज्ञानेन्द्र रावत–

पश्चिमी मॉडल पर आधारित विकास योजनाओं से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है। कॉर्पोरेट दुनिया के स्वार्थ को बढ़ावा देने के चलते प्रदूषण बढ़ने से ग्लोबल वॉर्मिंग, जलस्त्रोतों व जंगलों का विनाश आदि समस्याएं बढ़ीं। जिनका असर जीवन व स्वास्थ्य पर हुआ। प्रकृति के उतार–चढ़ाव मानवता के लिए चेतावनी हैं। महात्मा गांधी ने वर्ष 1928 में ही उत्पादन और खपत के पश्चिमी मॉडल के चलते वैश्विक स्तर पर पर्यावरणीय असंतुलन की चेतावनी देते हुए कहा थाः 'ईश्वर कभी नहीं चाहता कि भारत कभी पश्चिम की तरह औद्योगिकीकरण अपनाए।' साथ ही कहा था कि 'एक छोटे से द्वीप साम्राज्य (इंग्लैंड) के आर्थिक साम्राज्यवाद ने आज दुनिया को जंजीरों से जकड़ रखा है। यदि तीस करोड़ की आबादी वाले देश ने ऐसा आर्थिक शोषण किया तो पूरी दुनिया टिड्डियों की तरह बेकार हो जाएगी।'

गांधीजी का मानना था कि देश को आजादी के बाद गरीबी दूर करने और लोगों के सम्मानजनक जीवनयापन की दृष्टि से आर्थिक विकास करना ही होगा। ऐसे में भारत को अपने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग में कहीं अधिक जिम्मेदारी दिखानी होगी और पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुंचाना होगा। दुखद है कि आजाद भारत की सरकारों ने गांधी के विचारों को पूरी तरह बिसरा दिया। परिणामस्वरूप, जहां मानव जीवन प्रभावित हुआ, वहीं संसाधनों पर कॉर्पोरेट घरानों के कब्जे से ग्रामीण और आदिवासी समाज बेदखली का शिकार हुआ। साथ ही औद्योगिक परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने के कारण प्रदूषण की समस्या ने भयावह रूप ले लिया।

इस तबाही के विरोध में देश में चिपको, नर्मदा और मछुआरों के आंदोलन सामने आए। इसके उपरांत देश में पर्यावरण मंत्रालय की स्थापना हुई और पारिस्थितिक नुकसान रोकने के लिए अनेक कानून बने। लेकिन सत्ता पर काबिज विभिन्न सरकारों ने समाज के व्यापक हित के बजाय निजी कॉर्पोरेट घरानों के हितों को सर्वोपरि मानकर उनके आगे झुकना उचित समझा। कॉर्पोरेट घरानों के निजी स्वार्थ के चलते प्रदूषित शहर, भयावह स्तर तक प्रदूषित वातावरण, मरती जीवनदायी नदियां, प्रदूषित जल, प्रदूषित वायु, गिरता भूजल स्तर, खत्म होते जलस्रोत व जंगल, प्रदूषित मिट्टी, बंजर होती जमीन आदि पर्यावरण विनाश और तबाही के स्पष्ट सबूत हैं। इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसके बावजूद यह सिलसिला बेरोकटोक जारी है।

वैश्विक स्तर पर देखें तो बीस वर्ष पहले हम सालाना आठ अरब मीट्रिक टन कार्बन वायुमंडल में छोड़ रहे थे, जिसका आंकड़ा बढ़कर आज डेढ़ गुणा से भी अधिक हो गया। इसके कारण धरती का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। आज दुनिया में ग्लोबल वार्मिग की चर्चा जोरों पर है। प्रकृति का मिजाज बदल रहा है, और इसमें जलवायु परिवर्तन ने अहम भूमिका निभाई है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक का कहना है कि दुनिया में ऊर्जा की जरूरत पूरी करने के लिए कोयला, तेल और गैस का अधिक इस्तेमाल हो रहा है। भारत के संदर्भ में ब्राउन टू ग्रीन रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन रोकने के भारत के प्रयास अभी भी नाकाफी हैं। भारत ने 2030 तक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की तीव्रता में 33–35 प्रतिशत तक कमी लाने का ऐलान किया था, लेकिन पेरिस समझौते के मुताबिक डेढ़ डिग्री के लक्ष्य के हिसाब से यह पर्याप्त नहीं है।

धनराज मौर्य हत्याकांड के आरोपियों पर प्रशासन का एक्शन, करोड़ों की सरकारी भूमि मुक्त कराई

संवाददाता–बलरामपुर। धनराज मौर्य हत्याकांड के बाद प्रशासन और पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। एक ओर अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलाकर करोड़ों रुपये मूल्य की सरकारी भूमि मुक्त कराई गई, वहीं दूसरी ओर नामजद आरोपितों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस दोहरी कार्रवाई से क्षेत्र में हलचल मच गई है। उतरौला तहसील के ग्राम पिपराराम में गुरुवार को राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में यह बड़ी कार्रवाई की। आरोप है कि हत्याकांड में नामजद वारिस अली समेत अन्य आरोपितों ने बलरामपुर–बस्ती मार्ग से सटी सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा था। इस पर धीरे–धीरे मजारनुमा ढांचा भी तैयार किया जा

रहा था।

जांच में यह भूमि नवीन परती श्रेणी की सरकारी संपत्ति पाई गई। इसके बाद प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बुलडोजर से सभी अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए। तहसीलदार वीरेंद्र प्रताप, थानाध्यक्ष गैंड़ास बुजुर्ग राजीव मिश्र और राजस्व टीम की निगरानी में यह कार्रवाई हुई। इस दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इसी क्रम में, गुरुवार को पुलिस अधीक्षक विकास कुमार स्वयं ग्राम अहिरौला पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाया और उनकी स्थिति का जायजा लिया। एसपी ने भरोसा दिलाया कि मामले में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस लगातार जांच में जुटी है और सभी आरोपितों के खिलाफ साक्ष्यों के आधार पर कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि हत्याकांड के नामजद आरोपितों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिससे पुलिस की सख्ती और बढ़ गई है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सरोज, तहसीलदार वीरेंद्र प्रताप सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

महिला का शव फंदे से लटका मिला

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के हरदत्त नगर गिरन्ट थाना क्षेत्र के रानीसीर गांव में 24 वर्षीय विवाहिता नगमा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव 1 जून को ससुराल के कमरे में पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका हुआ मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की सास नजमी के अनुसार, घटना के समय नगमा घर में अकेली थी। उनके पति शाहबाज अपने पिता को लखनऊ एयरपोर्ट छोड़ने गए थे, जबकि नजमी सुबह बकरी चराने गई थीं। लौटने पर कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी आवाज देने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो रोशनदान से झांककर देखा गया, जहां नगमा का शव फंदे से लटका दिखाई दिया। बताया गया है कि नगमा के पति और ससुर विदेश में मजदूरी करते हैं और समय–समय पर घर आते रहते थे। वहीं, मृतका के मायके पक्ष के लोग वर्तमान में मुंबई में रहकर मजदूरी करते हैं। मृतका के पिता असगर अली गोंडा जनपद के विशुनापुर निवासी हैं ने पुलिस को दी तहरीर में गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि शादी के बाद से ही पति शाहबाज, ससुर कमाल खां और सास गुलनाज द्वारा चार पहिया वाहन और दो लाख रुपये नकद की अतिरिक्त दहेज मांग की जाने लगी थी।

पिता का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर नगमा के साथ मारपीट, गाली–गलौज और प्रताड़ना की जाती थी। इसी प्रताड़ना से तंग आकर 1 जून की सुबह करीब 9 बजे नगमा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्हें घटना की सूचना पड़ोसियों से मिली, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने मृतका के पति शाहबाज, ससुर कमाल खां और सास गुलनाज के खिलाफ दहेज हत्या सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घूसकांड के बाद ग्राम विकास बैंक में सन्नाटा

संवाददाता–महराजगंज। सहकारी ग्राम विकास बैंक में एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई के अगले दिन मंगलवार को बैंक परिसर में पूरी तरह सन्नाटा पसरा रहा। सहायक फील्ड ऑफिसर हरेराम प्रसाद व डीड राइटर जय ओम की रंगे हाथ गिरफ्तारी के बाद बैंक के अन्य कर्मचारियों में भारी खौफ का माहौल देखा गया। रोजाना गुलजार रहने वाले बैंक परिसर से सभी संदिग्ध चेहरे पूरी तरह नदारद रहे। वहीं दूसरी ओर बैंक में अपने कार्यों से पहुंचे आम उपभोक्ताओं व लोन धारकों के बीच दिन भर इस घूसकांड को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म रहा। मामले में पीड़ित छोटेलाल यादव ने आरोप लगाया है कि रोजगार स्थापित करने के लिए लिए गए ऋण की दूसरी किस्त जारी करने के एवज में बैंक कर्मचारियों द्वारा 10 प्रतिशत कमीशन की मांग की जा रही थी। पीड़ित के अनुसार उन्होंने अप्रैल माह में आठ लाख रुपये के ऋण के लिए आवेदन किया था। ऋण स्वीकृत होने के करीब डेढ़ माह बाद उन्हें चार लाख 80 हजार रुपये की पहली किस्त मिली। इसके बाद शेष धनराशि जारी करने के लिए बैंक कर्मचारियों ने 80 हजार रुपये रिश्वत की मांग शुरू कर दी। पीड़ित का आरोप है कि आरोपित कर्मचारी पहले ही 50 हजार रुपये अपने खाते में जमा करा चुके थे व बाकी रकम के लिए लगातार दबाव बना रहे थे। विजिलेंस की इस कार्रवाई के बाद अब बैंक में पिछले कुछ महीनों के भीतर स्वीकृत हुई अन्य लोन फाइलों के सत्यापन के लिए एंटी करप्शन की विशेष टीम जल्द ही बैंक पहुंच सकती है। टीम इस बात की गहन पड़ताल करेगी कि क्या पूर्व में भी लोन धारकों से इसी तरह कमीशन वसूला गया था। पीड़ित द्वारा अन्य जिम्मेदारों की भूमिका को लेकर लगाए गए आरोपों के बाद जांच एजेंसियां उनके रिकॉर्ड की भी स्क्रूटनी करने की तैयारी में हैं।

जंगल में पेड़ से लटका मिला महिला का शव

संवाददाता–महराजगंज। सोहगीबरवा वन्यजीव प्रभाग के दक्षिणी चौक रेंज स्थित नाथनगर बीट के जंगल में गुरुवार को एक महिला का शव पेड़ से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर चौक पुलिस, फॉरेंसिक टीम और वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान चौक थाना क्षेत्र के धरमौली ग्राम सभा के डुमरभार टोला निवासी फूलमती (35) पत्नी इंद्रजीत के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, फूलमती गुरुवार सुबह घर से निकली थीं, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटीं। परिवार के लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से घर में विवाद चल रहा था। जब काफी देर तक उनका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की।

इसी बीच जंगल की ओर गए कुछ ग्रामीणों ने नाथनगर बीट के जंगल में एक जामुन के पेड़ से पीले रंग की साड़ी के फंदे के सहारे महिला का शव लटका देखा। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों के लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को अपने कब्जे में ले लिया। घटना की सूचना पर फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। महिला की पहचान होने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। उनके तीन पुत्र उपेंद्र, गोविंद और अरविंद का रो–रोकर बुरा हाल था। परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल और बाद में पोस्टमार्टम हाउस पर जुटी रही। चौक थानाध्यक्ष मनीष पटेल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर कर रही है।

आयोजित दो दिवसीय टीजीटी परीक्षा सम्पन्न

संवाददाता–गोण्डा। उत्तर प्रदेश शिक्षक सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय टीजीटी परीक्षा गुरुवार देर शाम 4:30 बजे संपन्न हो गई है। चार पालियों में आयोजित इस परीक्षा में कुल 10,137 परीक्षार्थियों को शामिल होना था, जिनमें से 5,764 ने परीक्षा दी और 4,373 अनुपस्थित रहे है। 4 जून को पहली पाली में पांच केंद्रों पर 2,281 परीक्षार्थियों में से 1,297 उपस्थित हुए, जबकि 984 अनुपस्थित रहे। इसी दिन दूसरी पाली में नौ परीक्षा केंद्रों पर 3,835 परीक्षार्थियों में से 2,155 ने परीक्षा दी और 1,680 ने परीक्षा छोड़ दी है। 3 जून को पांच परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा की पहली पाली में 2,026 में से 1,162 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 864 अनुपस्थित रहे। इसी दिन दूसरी पाली में 1,995 परीक्षार्थियों में से 1,150 ने परीक्षा दी और 845 ने इसे छोड़ दिया था। दो दिवसीय टीजीटी परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों को कठिन और पाठ्यक्रम से बाहर के प्रश्नों का सामना करना पड़ा। लखीमपुर खीरी से आए परीक्षार्थी प्रदीप ने बताया कि निर्धारित पाठ्यक्रम से बाहर के कई प्रश्न थे, जिससे उन्हें काफी परेशानी हुई। सिद्धार्थनगर से आए कुलदीप और प्रियंका ने भी बताया कि कई प्रश्न कठिन थे और कुछ ऐसे थे जो उन्होंने कभी पढ़े ही नहीं थे। गोंडा के जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और किसी भी नकलची को नहीं पकड़ा गया है। सभी परीक्षा केंद्र की लगातार सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही थी सेक्टर और स्टेटिक मजिस्ट्रेट भी परीक्षा को नकल विहीन संपन्न कराने के लिए लगाए गए थे।

सीएचसी में शुरू हुआ अत्याधुनिक मातृ–शिशु केंद्र

संवाददाता–बहराइच। आकांक्षी ब्लॉक हुजूरपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में गुरुवार को प्रोजेक्ट मातृ छाया के तहत अत्याधुनिक प्रसव एवं मातृ–शिशु देखभाल केंद्र का शुभारंभ किया गया। क्षेत्रीय विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, विधायक प्रतिनिधि निशांक त्रिपाठी और ब्लॉक प्रमुख अजीत प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से केंद्र का लोकार्पण किया। यह परियोजना पीएसआई इंडिया और एसबीआई फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग से विकसित की गई है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सुभाष त्रिपाठी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि अब हुजूरपुर सीएचसी में गरीब और जरूरतमंद महिलाओं को भी कॉर्पोरेट अस्पतालों जैसी सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण प्रसव सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ नवजात शिशु सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। ब्लॉक प्रमुख अजीत प्रताप सिंह ने कहा कि अत्याधुनिक प्रसव केंद्र और नवजात शिशु देखभाल इकाई के

संचालन से क्षेत्र में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में हुजूरपुर सीएचसी जिले के लिए एक मॉडल केंद्र के रूप में स्थापित होगी।

विधायक ने बताया कि केंद्र में निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए 35 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया गया है। पूरे परिसर को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। एएनसी और पीएनसी वार्ड, वेटिंग एरिया, नर्सिंग स्टेशन तथा स्टाफ रूम को पूर्ण रूप से वातानुकूलित बनाया गया है, जिससे मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों को बेहतर वातावरण मिल सके। इस परियोजना के तहत हुजूरपुर प्रदेश की पहली ऐसी सीएचसी बन गई है, जहां अत्याधुनिक अल्ट्रासाउंड मशीन स्थापित की गई है। उद्घाटन के बाद स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कविता चौधरी ने दो गर्भवती महिलाओं का अल्ट्रासाउंड कर इस सेवा का शुभारंभ किया। अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में संचालित की जा रही है। इसके तहत बहराइच, हरदोई और बलरामपुर में एक–एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का चयन कर उनका कायाकल्प किया जा रहा है। परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को उनके घर के नजदीक ही निजी अस्पतालों जैसी सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण प्रसव सुविधाएं उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म संपन्न कराई गई। बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया तथा पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान गोल्डन कार्ड वितरित किए गए। साथ ही टीबी मरीजों को पोषण किट भी प्रदान की गईं। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार, सीएचसी अधीक्षक डॉ. आभाष अंकुर श्रीवास्तव, डीएचईआईओ बृजेश सिंह, हरेंद्र विक्रम सिंह, जिला मंत्री महेंद्र पाठक, पूर्व जिला उपाध्यक्ष दुर्गेश सिंह, मंडल अध्यक्ष सुधीर निषाद, मंडल महामंत्री सत्येंद्र सिंह, ग्राम प्रधानों के प्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, एएनएम, आशा कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रशासक नियुक्त किए जाने के बाद प्रधानों ने किया विधायकों का सम्मान

संवाददाता–महराजगंज। कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रशासन नियुक्त होने के बाद प्रधानों ने घुघली ब्लाक में सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस दौरान पनियरा विधायक ज्ञानेन्द्र सिंह, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया व भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय का स्वागत करते हुए सम्मानित किया गया। इस दौरान ढोल–नगाड़े बजवाए गए।

इस दौरान प्रशासक बनाए गए प्रधानों ने प्रदेश सरकार के इस निर्णय को ग्रामीण विकास की निरंतरता बनाए रखने वाला कदम बताते हुए विधायकों के प्रति आभार व्यक्त किया। पनियरा विधायक ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार के इस निर्णय से गांवों में चल रही विकास योजनाएं बिना किसी बाधा के जारी रहेंगी तथा जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलता रहेगा। सदर विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी प्रशासकों से ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ

अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सरकार का यह निर्णय पूरी तरह जनहित में है।

उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की गति बनी रहे, इसके लिए प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने का निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। संचालन सहायक विकास अधिकारी सहकारिता कमलेश शाही ने किया।

इस अवसर पर प्रमुख प्रतिनिधि ओमप्रकाश जायसवाल ने विधायक सदर व पनियरा विधायक को स्मृति चिह्न दिया। प्रशासक संघ के ब्लाक अध्यक्ष राजाराम गुप्ता ने सभी प्रशासकों की ओर से अतिथितयों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर वीरेंद्र सिंह, सिद्धार्थ सिंह, बीडीओ राहुल सागर, रवि कुमार पांडेय, मनोज जायसवाल, श्रीकांत कन्नौजिया, ओमप्रकाश कन्नौजिया, पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष दिनेश जायसवाल, सुरेंद्र गुप्ता, चतुर्भुजा सिंह, अशोक जायसवाल, बैजनाथ गुप्त, बंटी पटेल, श्यामबदन यादव, रामवृक्ष यादव, नागेश्वर मिश्रा, श्रीनिवास सिंह, रामसूरत सिंह, रामाज्ञा चौधरी, काशीनाथ चौधरी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

चखनी घाट पुल की गुणवत्ता की जांच करेगी त्रिस्तरीय कमेटी, डीएम सख्त

संवाददाता–देवरिया। जिले के खनुआ नाला के चखनी खाट पर बन रहे पुल के एक पिलर व स्लैब में खामियां आने के बाद डीएम मधुसूदन हुल्गी अब सख्त हो गए हैं। गुरुवार को सेतु निगम के अलावा तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। टीम दो दिनों में जांच रिपोर्ट तैयार कर जिलाधिकारी को सौपेंगी। इसके बाद निलंबन व अन्य कार्रवाई की गात अधिकारियों के विरुद्ध गिर सकती है। उधर डीएम ने तत्काल प्रभाव से अधिशासी अभियंता सेतु निगम को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। डीएम के सख्त रुख के बाद विभाग में खलबली मच गई है। यूपी–बिहार बार्डर को जोड़ने वाले चखनी घाट पर अभी तक आवागमन के लिए लकड़ी का पुल का लोग सहारा लेते रहे हैं।

कई बार लकड़ी का पुल होने के चलते हादसे भी हो जाते थे। इसको देखते हुए भाटपाररानी विधायक सभाकुंवर कुशवाहा के प्रयास से सरकार ने यहां पुल बनाने की मंजूरी दे दी। इस पुल के बनने के बाद यूपी–बिहार की यात्रा सुगम हो जाएगी और लोगों को आने–जाने में दिक्कत नहीं होगी। शासन ने इसके लिए कुल 16 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। पुल का निर्माण कार्य तेजी से शुरू हुआ है। लेकिन इन दिनों पुल के स्लैब टूटा हुआ नजर आने लगा है, जबकि एक पिलर में भी दिक्कत आने की बात कही जा रही है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते प्रशासन सख्त हो गया है। गुरुवार को डीएम मधुसूदन हुल्गी ने अधिशासी अभियंता सेतु निगम को तलब किया और जानकारी ली। साथ ही कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

वहीं लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर, जिला विकास अधिकारी समेत तीन अधिकारियों की कमेटी गठित की गई है, यह टीम दो दिनों के अंदर अपनी जांच कमेटी देगी। अगर गुणवत्ता में कमी मिली तो सख्त कार्रवाई की तैयारी है।डीएम मधुसूदन हुल्गी ने कहा कि पुल की गुणवत्ता में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मामले की जानकारी मिली है। सेतु निगम के अलावा एक अलग तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है। यह टीम जल्द ही अपनी रिपोर्ट दे देगी। अगर गुणवत्ता व पुल निर्माण में खामिया मिली तो अधिशासी अभियंता समेत अन्य के विरुद्ध कार्रवाई के लिए शासन को संस्तुति की जाएगी।

जिलाधिकारी, एसपी ने की बैठक, पुलिस भर्ती परीक्षा में निष्पक्ष व शांतिपूर्ण संचालन हेतु दिए आवश्यक निर्देश

संवाददाता–महराजगंज। पुलिस द्वारा 4 जून 2026 को जारी प्रेस नोट के अनुसार, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पदों की सीधी भर्ती परीक्षा–2025 के सुचारु, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संचालन के लिए जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक, महाराजगंज ने कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में परीक्षा की समग्र तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा पूर्णतः शुचितापूर्ण, पारदर्शी एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न होनी चाहिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों, केंद्र व्यवस्थापकों, सेक्टर मजिस्ट्रेट्स, स्टैटिक मजिस्ट्रेट्स और पुलिस अधिकारियों को सख्ती से निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद रहे। किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि पर त्वरित एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और अभ्यर्थियों को कोई असुविधा न हो।

पुलिस अधीक्षक ने बैठक में कहा कि सॉल्वर गैंग, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दुरुपयोग एवं अन्य अनुचित साधनों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। लापरवाही बरतने वाले केंद्र प्रभारियों, कर्मचारियों या पुलिसकर्मियों के विरुद्ध विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। यह बैठक जनपद में शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के अनुरूप परीक्षा की गरिमा एवं विश्वसनीयता बनाए रखने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

दो वाहन चोर गिरफ्तार, 4 चोरी की बाइक बरामद

संवाददाता–देवरिया। महुआडीह थाना क्षेत्र में पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अविनाश गौड़ (22) निवासी जंगल बेलवा और रंकेश चौहान (20) निवासी बिशुनपुर मुरार, थाना महुआडीह के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, बुधवार–गुरुवार की रात महुआडीह थाना पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी की बाइक पर सवार दो युवक टीला टाली क्षेत्र में मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों युवकों को एक डिस्कवर मोटरसाइकिल के साथ पकड़ लिया। पुलिस जांच में पता चला कि जिस डिस्कवर बाइक पर दोनों आरोपी सवार थे, उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई थी। पूछताछ के दौरान दोनों ने वाहन चोरी की कई घटनाओं में शामिल होने की बात स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने जंगल में छिपाकर रखी गई तीन अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद कीं। इनमें एक प्लेटिना, एक स्प्लेंडर प्रो और एक पैशन प्रो बाइक शामिल है। जांच में सामने आया कि बरामद स्प्लेंडर प्रो मोटरसाइकिल कुशीनगर जिले के कसया बाजार क्षेत्र से चोरी की गई थी।

नशा मुक्ति केंद्र में दो मरीजों की मौत मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को किया गिरफ्तार

संवाददाता–देवरिया। जिले के बेलडाड़ रोड स्थित अवतार नशा मुक्ति केंद्र में दो व्यक्तियों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में कोतवाली पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक कुल तीन गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। पुलिस विस्तृत जांच कर रही है। कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को ज्ञान प्रकाश कुशवाहा (38), निवासी सोनूघाट गोपालपुर, और धीरेन्द्र गौड़ (29), निवासी महुआरी नवमुंडा, जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर न्यायालय भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, पहला मामला सुरेश यादव की मौत से संबंधित है। परिजनों ने बताया कि सुरेश यादव को 16 मई 2026 को अवतार नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। 21 मई की रात केंद्र से उनकी तबीयत खराब होने की सूचना मिली। परिजन उन्हें मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस मामले में 29 मई को कोतवाली थाने में बीएनएस की धारा 105 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। दूसरा मामला रितेश राव की मौत का है। परिजनों के अनुसार, रितेश को 11 मई 2026 को इसी नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। 25 मई को केंद्र से फोन आने पर परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस मामले में भी बीएनएस की धारा 105 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि इस प्रकरण में नशा मुक्ति केंद्र से जुड़े आरोपी पंकज कुमार मिश्र को 31 मई को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था। अब दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ, इस मामले में कुल तीन आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं।

46 डिग्री जैसी गर्मी का अहसास, अगले सप्ताह तक 40 डिग्री पार पहुंच सकता है पारा

संवाददाता–कुशीनगर। जिले में भीषण गर्मी और उमस से लोग परेशान हैं। गुरुवार दोपहर देउरवा क्षेत्र में अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, उच्च नमी के कारण लोगों को 46 डिग्री सेल्सियस जैसी गर्मी का अनुभव हुआ। दोपहर के समय सड़कों और बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा, क्योंकि लोग तेज धूप और उमस से बचने के लिए घरों में ही रहे। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जिले में आर्द्रता 41 प्रतिशत दर्ज की गई है। इस उच्च नमी के कारण गर्म हवाओं के साथ उमस भी लोगों को परेशान कर रही है। मौसम विभाग ने यूवी इंडेक्स 11 बताया है, जो अत्यधिक (एक्सट्रीम) श्रेणी में आता है। ऐसे में, लंबे समय तक धूप में रहने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। हवा की गति केवल 10 किलोमीटर प्रति घंटा रहने के कारण गर्मी से कोई खास राहत नहीं मिल रही है। ड्यू प्वाइंट 23 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जिससे वातावरण में चिपचिपाहट महसूस हो रही है। दृश्यता 14.48 किलोमीटर दर्ज की गई। मौसम विभाग के हीट वेव बुलेटिन के मुताबिक, गोरखपुर मंडल में हीट इंडेक्स 40 से 50 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच रहा है। तापमान और नमी के संयुक्त प्रभाव के कारण वास्तविक तापमान से कहीं अधिक गर्मी महसूस हो रही है। आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले सप्ताह तक अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। रात का तापमान भी 27 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा, जिससे लोगों को रात में भी गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर 11 बजे से 3 बजे के बीच धूप में निकलने से बचने की चेतावनी दी है। इसके साथ ही, पर्याप्त मात्रा में पानी और तरल पदार्थों का सेवन करने तथा बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई है।

6 जून को गोंडा आएंगे सीएम योगी, चकरौत में करेंगे विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास, डीएम-एसपी ने तैयारियों का लिया जायजा

संवाददाता–गोण्डा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। 6 जून को मुख्यमंत्री करनैलगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत चकरौत पहुंचेंगे, जहां वह करनैलगंज और कटरा बाजार विधानसभा क्षेत्रों की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। दौरे को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने एसडीएम करनैलगंज नेहा मिश्रा के साथ कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद चकरौत गांव को कार्यक्रम स्थल के रूप में अंतिम रूप दिया गया।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने तीन संभावित स्थलों का निरीक्षण किया था। सुरक्षा, पहुंच मार्ग और व्यवस्थाओं का आकलन करने के बाद चकरौत गांव का चयन किया गया। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए करनैलगंज, परसपुर और कटरा बाजार ब्लॉक के अधिकारियों व कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यक्रम स्थल पर साफ–सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। प्रशासन के अनुसार 100 से अधिक सफाईकर्मी परिसर और आसपास के क्षेत्रों को व्यवस्थित करने में लगे हुए हैं। इसके साथ ही टेंट, बैरिकेडिंग, पेयजल, विद्युत व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 6 जून को सुबह 9:55 बजे बलरामपुर के तुलसीपुर स्थित आदि शक्ति मां पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल से राजकीय हेलीकॉप्टर द्वारा चकरौत हेलीपैड पहुंचेंगे। हेलीपैड पर जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री सुबह 10 बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचकर विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री सुबह 11 बजे कार्यक्रम स्थल से हेलीपैड के लिए रवाना होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह सुबह 11:10 बजे राजकीय हेलीकॉप्टर से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि मुख्यमंत्री का गोंडा में कुल एक घंटे 10 मिनट का कार्यक्रम प्रस्तावित है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान करनैलगंज और कटरा बाजार विधानसभा क्षेत्रों की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा। इससे क्षेत्र की बड़ी आबादी को विभिन्न विकास कार्यों का लाभ मिलने की उम्मीद है।

स्वतंत्रत देव सिंह बोले– नेहरू को पिछाड़ देंगे मोदी, सपा–कांग्रेस पर कसा तंज

संवाददाता–गोरखपुर। केंद्र सरकार के 12 साल पूरे होने पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों के बीच प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रत देव सिंह ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार 12 वर्ष पूरे कर रही है और जल्द ही मोदी देश में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले प्रधानमंत्रियों में पंडित जवाहरलाल नेहरू को भी पीछे छोड़ देंगे। गुरुवार को गोरखपुर सर्किट हाउस पहुंचे कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रत देव सिंह ने भाजपा संगठन की कोर कमेटी और जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान उनके साथ सांसद रवि किशन समेत पार्टी के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित होने वाले जनसंपर्क और जनजागरण कार्यक्रमों की रणनीति पर चर्चा की गई। मीडिया से बातचीत में मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने सेवा और तपस्या की भावना से काम करते हुए समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 5 जून से 21 जून तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, जनसंपर्क अभियान और विभिन्न वर्गों के लोगों से संवाद कार्यक्रम शामिल हैं। स्वतंत्रत देव सिंह ने बताया कि 5 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन भी है। इस अवसर पर प्रदेशभर में वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। सरकारी कार्यालयों और विद्यालयों में भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा सांसदों और विधायकों के नेतृत्व में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिष्ठित लोगों से संपर्क कर सरकार की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाया जाएगा। विपक्ष पर हमला बोलते हुए मंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस अब वैचारिक राजनीतिक दल नहीं रह गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों की कोई स्पष्ट विचारधारा नहीं है और ये केवल तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि देश में वंशवाद आधारित राजनीति कमजोर हो रही है, जबकि भाजपा विकास और सुशासन के मुद्दों पर जनता का विश्वास जीत रही है। मंत्री ने बताया कि 11 जून से 14 जून तक पार्टी की ओर से मीडिया संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें केंद्र सरकार के 12 वर्ष और उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता के सामने रखा जाएगा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार की योजनाओं और नीतियों का लाभ समाज के सभी वर्गों को मिला है और यही उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

श्रीकृष्ण की मथुरा यात्रा अधर्म पर धर्म के विजय का संदेश–आचार्य धनंजय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

सिद्धार्थनगर। मिठवल ब्लॉक के अंतर्गत कपियां बुजुर्ग गांव में भास्कर तिवारी के आवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ रही है। कथा का रसपान कराते हुए आचार्य धनंजय जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की वृंदावन से मथुरा प्रस्थान की मार्मिक कथा का वर्णन किया।

आचार्य धनंजय जी महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बाल्यकाल की दिव्य लीलाओं से वृंदावन को धन्य किया। जब कंस के अत्याचारों का अंत करने और धर्म की स्थापना के लिए उन्हें मथुरा जाना पड़ा, तब पूरे ब्रज में विरह का वातावरण छा गया। माता यशोदा, नंद बाबा, गोप–गोपियां और समस्त ब्रजवासी श्रीकृष्ण के वियोग में व्याकुल हो उठे। भगवान का वृंदावन से मथुरा जाना केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश था।

कथा के दौरान आचार्य जी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें कर्तव्य, प्रेम, त्याग और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उनके उपदेश और लीलाएं आज भी मानव जीवन के लिए मार्गदर्शक हैं।

कथा स्थल पर श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे दिखाई दिए। भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष और भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कथा के समापन पर श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती में भाग लिया और धर्म लाभ प्राप्त किया।

इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रामराज की संकल्पना के अयोध्या में रोपे जा रहे कोविदार वृक्ष

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्रीराम के आदर्शों पर आधारित रामराज्य की संकल्पना को जन–जन तक पहुंचाने, समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक बनाने के उद्देश्य से संचालित रामराज्य संकल्प अभियान निरंतर गति पकड़ रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत गुरुवार को अयोध्या स्थित विवेक सृष्टि परिसर में श्रीराम के वंश से जुड़े माने जाने वाले पौराणिक महत्व के कोविदार वृक्ष का पौधरोपण किया गया। विशेष महत्व यह रहा कि यही वह पावन स्थल है, जहां श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में विराजमान रामलला की दिव्य विग्रह प्रतिमा का निर्माण किया गया था।कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारी समाज के संयोजन में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में सामाजिक, धार्मिक एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोगों की सहभागिता रही। पौधरोपण कार्यक्रम में विवेक सृष्टि के संस्थापक डॉ. चौतन्य, अयोध्या के महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, इंजीनियर रवि तिवारी, माउंट आबू से पधारे ब्रह्माकुमारी समाज के धर्मगुरु राजयोगी हरिलाल भानुशाली तथा बीके मुकेश ने संयुक्त रूप से कोविदार का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजयोगी हरिलाल भानुशाली ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वृक्षों को केवल प्रकृति का अंग नहीं, बल्कि जीवन और चेतना का आधार माना गया है।उन्होंने कहा कि रामराज्य की कल्पना तभी साकार हो सकती है, जब समाज आध्यात्मिक मूल्यों के साथ प्रकृति के संरक्षण को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाए। उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण असंतुलन और बढ़ती सामाजिक विकृतियां मानव जीवन के लिए चुनौती बनती जा रही हैं। ऐसे समय में पौधरोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है।इंजीनियर रवि तिवारी ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में 50 कोविदार वृक्ष लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत अयोध्या जिले की सभी 963 ग्रामसभाओं में कोविदार के पौधे रोपित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक लगभग 150 ग्रामसभाओं में पौधरोपण का कार्य पूरा किया जा चुका है और शेष ग्रामसभाओं में भी तेजी से अभियान चलाया जा रहा है। वीके मुकेश ने बताया कि नशा मुक्त समाज तैयार करना है तभी रामराज्य संकल्पना पूर्ण होगी।उन्होंने बताया कि आगामी 15 जुलाई तक जिले की सभी ग्रामसभाओं में पौधरोपण का लक्ष्य पूर्ण कर लिया जाएगा। अभियान के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, नशामुक्ति और सामाजिक समरसता का संदेश भी दिया जा रहा है।

15 जुलाई तक अयोध्या के सभी ग्राम सभा में लगाए जाएंगे एक–एक वृक्ष

पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–गोरखपुर। पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन, शाखा गोरखपुर ने 4 जून को पंचायत सहायकों की विभिन्न मांगों को लेकर विकास भवन में नारेबाजी की। इसके बाद मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को संबोधित ज्ञापन सौंपा। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष वृजेश कुमार मित्र, जिला अध्यक्ष आकाश एवं जिला प्रभारी कंचन के नेतृत्व में पंचायत सहायकों ने मानदेय वृद्धि सहित अन्य मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि पंचायत सहायक ग्राम पंचायतों में डिजिटल सेवाओं, प्रशासनिक कार्यों तथा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन उन्हें मात्र छह हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिल रहा है, जो वर्तमान महंगाई के दौर में बेहद कम है। संगठन ने पंचायत सहायकों का मानदेय बढ़ाकर 30 हजार रुपये प्रतिमाह करने अथवा न्यूनतम कुशल मजदूरी लागू करने की मांग की है। इसके अलावा अनुकंप व्यवस्था समाप्त कर स्थायी सेवा नियमावली बनाने, विवाह के बाद महिला पंचायत सहायकों के स्थानांतरण की व्यवस्था लागू करने, ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण देने तथा आयुष्मान भारत योजना का लाभ प्रदान करने की मांग भी उठाई गई है।

डिवाइडर पर सोए मजदूर पर पलटी मिट्टी, दबकर मौत

संवाददाता–गोरखपुर। निर्माणाधीन फोरलेन के डिवाइडर पर मिट्टी के नीचे दबा एक मजदूर का शव मिलने से सनसनी फैल गई। गुरुवार सुबह डिवाइडर की मिट्टी समतल कराने के दौरान राहगीरों की नजर मिट्टी से बाहर निकले एक हाथ पर पड़ी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मिट्टी हटवाकर शव बाहर निकलवाया। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि मजदूर डिवाइडर पर सो गया था और रात में डंपर से डाली गई मिट्टी के नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। देवरिया जिले का रहने वाला मजदूर अपने परिवार के साथ गुलरिहा क्षेत्र में स्थित ससुराल में रहता था।

भटहट कस्बे में गुरुवार सुबह निर्माणाधीन फोरलेन पर डिवाइडर की मिट्टी बराबर कराई जा रही थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने मिट्टी के ढेर से एक हाथ बाहर निकला देखा। पहले लोगों को संदेह हुआ, लेकिन करीब जाकर देखने पर मामला गंभीर लगा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बैकहो लोडर और मजदूरों की मदद से मिट्टी हटवाई, जिसके बाद शव बाहर निकाला गया। शव के पास एक झोला भी मिला। उसमें रोटी–सब्जी, देसी शराब का एक पाउच, हरी मिर्च, चिलम, मोबाइल चार्जर और एक शाल रखी हुई थी। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि मजदूर रात में वहीं ठहरा हुआ था।

कुछ देर बाद दो बच्चों के साथ पहुंची एक महिला ने शव की पहचान अपने पति मिंटू पुत्र जनार्दन निवासी देवरिया के रूप में की। महिला नीता देवी ने बताया कि वह अपने पति और बच्चों के साथ पिछले करीब पांच वर्षों से गुलरिहा क्षेत्र के तरकुलहां स्थित मायके में रह रही थी। मिंटू मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करता था। पत्नी के मुताबिक मिंटू करीब 10 दिन पहले जंगल कौड़िया क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य में मजदूरी करने गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। स्थानीय लोगों ने बताया मिंटू रात में डिवाइडर के बीच शाल बिछाकर सो गया था। देर रात मिट्टी गिराने पहुंचे डंपर चालकों को उसके वहां होने की जानकारी नहीं हुई और मिट्टी उसके ऊपर गिर गई, जिससे वह दब गया। हालांकि पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। प्रभारी निरीक्षक गुलरिहा जगदीश पाल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मानसिक रूप से अस्वस्थ युवती से दुष्कर्म का प्रयास

संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक मानसिक रूप से अस्वस्थ युवती से दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया। युवती की चीख सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। हालांकि भीड़ का फायदा उठाकर आरोपी अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, बुधवार रात करीब 10रु30 बजे एक युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ युवती को सुनसान स्थान पर ले गया और उसके साथ जबरदस्ती करने का प्रयास करने लगा। इसी दौरान युवती ने शोर मचाया। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और आरोपी को पकड़ लिया। ग्रामीणों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि आरोपी नशे की हालत में था। इसी बीच भीड़ बढ़ने पर वह अपनी बाइक मौके पर छोड़कर भाग निकला।घटना की सूचना तत्काल डायल–112 पुलिस को दी गई।

सीएम योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के उपलक्ष्य नौका विहार, चला स्वच्छता अभियान

संवाददाता–गोरखपुर। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के तहत नगर निगम गोरखपुर द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान को गति देने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को स्वच्छता अभियान चला। इस अभियान में महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, नगर आयुक्त अजय जैन, अपर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार, अतुल कुमार, गौरव रंजन श्रीवास्तव, सहायक नगर आयुक्त रवि कुमार सिंह, जलकल महाप्रबंधक रघुवेंद्र कुमार, मुख्य अभियंता अमित शर्मा, कर निर्धारण अधिकारी अनुष्का सिंह, जोनल अधिकारी ओम प्रकाश यादव, जोनल सेनेटरी अधिकारी अखिलेश श्रीवास्तव, महेश पाण्डेय, पार्षद रणंजय सिंह जुगनू, विश्वजीत त्रिपाठी, राजा यादव, चंदन आर्या, दुर्गेश बजाज, देवेंद्र गौड़ पिप्पू, रितेश सिंह बब्बू, मनु जायसवाल, रविंद्र सिंह, अजय राय, मनोज निषाद, अपर नगर आयुक्त की संक्षिका डॉ अनिता अग्रवाल, मनीष चौबे, अनुदीप क्रिएशंस से अनुराग सुमन, दीपा अनुराग, लाइफ केयर वेलफेयर सोसायटी, अक्षर वीणा ट्रस्ट के आनंद राय अपनी टीम के साथ शामिल हुए।

गुरुवार की सुबह 07 बजे से शुरू हुआ स्वच्छता अभियान 9 बजे तक चला। इस दौरान नौका विहार से लेकर सर्किट हाउस मोड़ तक सड़क के दोनों पटरियों और डिवाइडर से कचरा एकत्र किया गया। इस दौरान काफी संख्या में महानगरवासी भी उत्साह के साथ शामिल हुए। महापौर मंगलेश श्रीवास्तव एवं नगर आयुक्त अजय जैन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की हार्दिक शुभकानाएं देते हुए महानगरवासियों से स्वच्छता की अपील की। स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 में बेहतर फीडबैक देने की अपील की।

विधिक साक्षरता शिविर आयोजित, बाल श्रम उन्मूलन पर लोगों को किया गया जागरूक

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील सभागार में गुरुवार को विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान और तहसीलदार रविकुमार यादव के निर्देश पर हुए इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बाल श्रम उन्मूलन पर जागरूकता फैलाना था। वक्ताओं ने बाल श्रम कानूनों की जानकारी दी और समाज से इस कुप्रथा को समाप्त करने का आह्वान किया।बार एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रमणि पाण्डेय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाल श्रम को समाज के लिए एक अभिशाप बताया। उन्होंने कहा कि इसे जड़ से समाप्त करने के लिए प्रत्येक नागरिक को आगे आना चाहिए। पाण्डेय ने इस बात पर जोर दिया कि हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और नैतिक मूल्यों से जोड़ना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

बार एसोसिएशन के महामंत्री मोहम्मद हुसैन ने कहा कि बाल श्रम किसी भी सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकता। उन्होंने विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर सभी लोगों से यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि कोई भी बच्चा श्रम के लिए मजबूर न हो और उसे शिक्षा व संस्कार प्राप्त करने का अवसर मिले।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे उपाध्यक्ष विकास सिंह ने बाल श्रम के विरुद्ध जन–जागरूकता और सामाजिक सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इसी के माध्यम से एक संवेदनशील, सशक्त और विकसित समाज का निर्माण संभव है। सिंह ने लोगों से बाल श्रम की घटनाओं की सूचना संबंधित विभागों को देने और बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इस अवसर पर जटाशंकर पाण्डेय, रघुवर प्रसाद, देवेंद्र राठौर, श्रद्धानंद, अजय पाठक, मुकेश श्रीवास्तव, अधिवक्ता देवेंद्र पाठक, राजीव अग्रहरि, हृदयराम, अतुल कुमार मिश्रा, निर्मल मौर्य, अनिल यादव, सोनू यादव, अंकुर कुमार सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

विधि छात्र कोर्ट प्रक्रिया से हुए रूबरू

संवाददाता–संतकबीरनगर। विधि छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम जनपद न्यायालय में जारी है। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष रणधीर सिंह के निर्देशन में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। गुरुवार को लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ अन्जय कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में विभिन्न विधि महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने कोर्ट की प्रक्रियाओं को समझा और न्यायालय में बयान व जिरह के तौर–तरीकों की जानकारी प्राप्त की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित इस इंटर्नशिप कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विधि छात्र–छात्राओं को विधिक सहायता योजना और कानूनी जागरूकता से जोड़ना है। इस अवसर पर चीफ डिफेंस काउंसिल अन्जय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि विधि छात्रों के लिए इंटर्नशिप उनके पेशेवर करियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह किताबी ज्ञान को वास्तविक अदालती कार्यवाही के व्यावहारिक अनुभव में बदलता है।

बॉर्डर पर बड़ी राहत: अब 312 तक के सामान पर भंसार माफ, 500 नेपाली रुपये तक के सामान पर नहीं लगेगा टैक्स

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कड़े विरोध और राजनीतिक दबाव के बाद नेपाल सरकार ने व्यक्तिगत उपयोग के सामान पर भंसार में छूट की सीमा पांच गुना बढ़ा दी है। भारत–नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों, फुटकर व्यापारियों और रोजमर्रा की खरीदारी के लिए सीमा पार आने–जाने वालों को बड़ी राहत मिली है। अब पांच सौ नेपाली रुपये (312.80 रुपये भारतीय) से ज्यादा कीमत के सामान पर ही भंसार देना होगा। पहले 100 नेपाली रुपये (62.56 रुपये भारतीय) की कीमत वाले सामान पर ही भंसार देना पड़ता था। नेपाल के वित्त मंत्रालय की ओर से बुधवार को राजपत्र में जारी अधिसूचना के साथ नई व्यवस्था लागू कर दी गई। दरअसल, 29 मई 2025 को नेपाल सरकार ने 100 नेपाली रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर भंसार की व्यवस्था सख्ती से लागू की थी। इसके बाद भारतीय क्षेत्र से रोजमर्रा की जरूरतों के सामान की खरीदारी करने वाले सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों और छोटे व्यापारियों में नाराजगी बढ़ गई थी। कई स्थानों पर इसे लेकर विरोध प्रदर्शन भी हुए और मामला नेपाल की संसद तक पहुंच गया था। जनप्रतिनिधियों और विभिन्न संगठनों ने सरकार से नियम में संशोधन की मांग की थी। विवाद बढ़ने पर नेपाल के तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वागले ने संसद में आश्वासन दिया था कि सीमा क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों को देखते हुए छूट की सीमा बढ़ाई जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा था कि संबंधित प्रावधान पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में किया गया था। अब सरकार ने अपने उसी आश्वासन को अमल में लाते हुए भंसार से छूट की सीमा पांच गुना बढ़ा दी है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को लैपटॉप, कंप्यूटर और टैबलेट पर भंसार से मिलती आ रही पुरानी छूट जारी रहेगी। नेपाल सरकार ने भारत में पढ़ाई कर रहे नेपाली विद्यार्थियों को पहले से मिल रही विशेष सुविधा भी बरकरार रखी है। विद्यार्थियों को कंप्यूटर, लैपटॉप या टैबलेट पर भंसार नहीं देना होगा। इससे सीमावर्ती जिलों के बड़ी संख्या में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को राहत मिलती रहेगी।

सीमा क्षेत्र के व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। नई व्यवस्था से सीमा पार जाकर दैनिक जरूरतों के सामान की खरीदारी में सहूलियत मिलेगी और सीमा क्षेत्र के छोटे बाजारों की गतिविधियों को भी बल मिलेगा।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगद इनकिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 6272/2025
धारा 116 उ0प्र0ग0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बांसी, जिला सिद्धार्थनगर

पंकज कुमार गौड़
बनाम
जोखन राम आदि

1– जोखनराम वालिग 2– रामलखन वालिग पुत्रगण छेदीराम साकिनान– बहबोल मुहल्ला–आजादनगर नगर पा० परि० बाँसी तहसील–बाँसी जनपद– सिद्धार्थनगर

–प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष

3– अजय कुमार पुत्र रामलखन साकिन–कस्बा बाँसी मुहल्ला–प्रतापनगर नगर पा० परि० बाँसी तप्पा– असनार परगना– बाँसी पूरब तहसील– बाँसी जनपद– सिद्धार्थनगर 4– श्रीमती सुशीला पत्नी रामशंकर साकिन–बहबोल मुहल्ला– आजादनगर नगर पा० परि० बाँसी तप्पा– कुदारन परगना– बाँसी पूरब तहसील–बाँसी, सि० नगर 5– श्रीमती ज्योत्सना त्रिपाठी पत्नी देवदत्त निवासी ग्राम चंगेरा मुहल्ला–आजादनगर नगर पा० परि० बाँसी तप्पा– कुदारन परगना– बाँसी पूरब तहसील– बाँसी जनपद– सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 24–06–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 24 माह 06 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरश्ता हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जूडि0) महोदय बस्ती जिला बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–23/2023
अशोक कुमार आदि
बनाम
रंगई आदि

10/1 हरीश पुत्र घिराऊ उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम आमा तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती
11/1 ओंकार उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र राममिलन 11/2 भुदुरा उम्र लगभग 70 वर्ष पत्नी राममिलन निवासीगण ग्राम आमा तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–07–2026

हरगाह मुदई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुदाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुदई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुदाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 16 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगद इनकिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–T202617140201546
धारा 116 उ0प्र0ग0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय न्यायिक भानपुर जिला बस्ती

जहीर मोहम्मद
बनाम
इजहार आदि

1. जहीर मोहम्मद पुत्र करमुल्लाह साकिन तेन्दुहना तप्पा भानपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 05–06–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 05 माह 06 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरश्ता हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com